Q1. मानव के सांस्कृतिक विकास का वर्णन करें।

→ सांस्कृतिक विकास का आशय मनुष्य के उन प्रयासों में सफलता से है जिनके द्वारा मानव स्थाई रूप से एक स्थान पर रह कर अपने स्थानिय व क्षेत्रिय पर्यावरण को अपने अनुकूल बना कर अपने जीवन को अधिक आराम-दायक एवं सुविधा सम्पन्न बनाने का प्रयत्न करता है।

कुछ महोदय ने अपनी पुस्तक 'The flow of energy development in society' में उर्जा के सर्वेक्षण प्रस्तुत किया है और बताया है कि ज्यों-ज्यों मानवीय संस्कृति का विकास हुआ है त्यों त्यों मानवीय उर्जा उपयोग में वृद्धि होती गई है। जैसा की निम्न तालिका से स्पष्ट भी है—

cultural stages of Human	Per. man of energy
i) पूरा पाषाण युगिन संस्कृति	2000 kilo calori
ii) पाषाण युगिन संस्कृति	4000 kilo calori
iii) जीवन निर्वाह कृषि आधृत संस्कृति	12,000 kilo calori
iv) औद्योगिक संस्कृति	70,000 kilo calori
v) तकनीकि विकसित देशों की महानगरीय संस्कृति	2,30000 kilo calori

मानवीय संस्कृति में अनादि काल से ही परिवर्तन होता आ रहा है। इस परिवर्तन के फलस्वरूप उसके खान-पान, रहन-सहन, वेश-भूषा इत्यादि

Scanned with CamScanner

में पर्याप्त परिवर्तन हुआ है। इस परिवर्तन को आधार मान कर मानव के सांस्कृतिक विकास को तीन अवस्थाओं में बाँटा जा सकता है।—

(i) प्राचीन संस्कृति (ii) मध्य युगीन संस्कृति (iii) आधुनिक संस्कृति

(i) प्राचीन संस्कृति :- मानव जैसे दिखने वाले प्राणि की उत्पत्ति आज से 2 करोड़ वर्ष पूर्व प्लायोसिन युग में ही हुई गई थी। तभी से मानव का सांस्कृति विकास आरंभ माना जाता है। दीर्घकालिक अवधी के कारण सांस्कृतिक विकास भी इस प्राचीन अवस्था को निम्नलिखित भागों में बाँटा गया है—

(a) EOLITHIC :- इस युग को अति पूरा पाषाण काल भी कहा जाता है। गुफाओं में मानव निवास से पूर्व के काल को eolithic कहा गया है। इस काल के लोग छोटे समुहों में खुले आसमान के नीचे रहते थे और खाद्य पदार्थों का संग्रह करते थे तथा वनस्पति पर निर्भर करते थे।

(b) PALEOLITHIC :- यह पूरा पाषाण काल का समय था। इस काल में मनुष्य ने गुफाओं में रहना प्रारंभ कर दिया था। इस काल में गुफाओं में चित्रकारी के प्रमाण मिलते है। इस काल में कई प्रकार के औजारों के साथ-साथ पत्थर की कुल्हाड़ी का भी प्रयोग होने लगा था। पूर्वी अफ्रिका में मुंदरी संस्कृति इसी काल में विकसित हुई।

(c) MESOLITHIC :- यह समय मध्य पाषाण युग के नाम से जाना जाता है। इसकी अवधी 11 हजार वर्ष पूर्व मानी जाती है। अब मानव भोजन संग्रह के साथ-साथ कृषि भी करने लगा था। वह शिकार हेतु धनुष-बाण का प्रयोग भी करने लगा था।

(d) NEOLITHIC :- यह समय नूतन पाषाण काल के नाम से जाना जाता है। इस काल में कृषि, पशुपालन